सामाजिक न्याय संघ को दिया गया लिखित आवेदन

नौकरी दिलाने के नाम पर की गई धोखाघड़ी

समक्ष नोटरी प्रस्तुत किए गए शपथ-पत्र के आधार पर।

न्यायसाक्षी रायगढ़। शासन से मान्यता प्राप्त संस्था सोशल जस्टिस् यूनियन के समक्ष प्रस्तुत होकर दिए अपने लिखित आवेदन में भगवती यादव जौ0जे0/आ0 श्री संतोष यादव, उम्र 25 वर्ष, निवासी ग्राम भदरा पो0 पासीद तहसील सारंगढ़, जिला रायगढ़, छ0ग0 पिन 496445 ने शपथपूर्वक कहा कि मेरे साथ रामेश्वर चौहान आ0 कतलु चौहान, ग्राम मरारपारा, सोनियाडीह, तहसील बिलाईगढ़, जिला बलौदा बाजार (छ0ग0) ने धोखाघड़ी की है, जिसके सम्बंध में मेरे द्वारा यह आवेदन मय शपथ-पत्र समक्ष नोटरी प्रस्तुत किया जा रहा है।

अपने आवेदन में कहा कि उक्त रामेश्वर चौहान ने मुझसे 2016 में महिला एवं बाल विकास कार्यालय के तहत् शासकीय ऑगनबाड़ी में सुपरवाईज़र का पद दिलवा दूँगा, कहकर रु0 80,000/- अक्षरांक अस्सी हजार रुपये की मांग की। उक्त सम्बंध में मेरे द्वारा पूछे जाने पर कि मुझको आप कहाँ पर नौकरी दिलवाओं गे उसने कहा कि विकासखण्ड बगीचा जिला जशपुर छ0ग0 में दिलवा दूँगा, जिसपर मुझे विश्वास हो गया।

अपने आवेदन में कहा कि इसके बाद मैंने दिनॉक 01/06/2016 को रु0 80,000/- अक्षरांक अस्सी हजार रुपये उक्त रामेश्वर चौहान को दिए।

इसके बाद रामेश्वर ने मुझसे मेडिकल सर्टिफिकेट मांगा और एक रजिस्टर दिया और उसमें 161 अधीक्षकों के नाम हैं कहा, और आप परिवेक्षक हैं कहा, आपका काम यह है कि आप अधीक्षकों की हाजिरी भरिए, तो मैने उसके कथनानुसार हाजिरी भर दी, जिसकी फोटोकॉपी उसके द्वारा पेंशनबाड़ा मंत्रालय भेजी जानी है, कहा। जो मैंने भेज दी, इसके बाद मुझे कहा कि साहब पेमेंट नहीं कर रहा मेडिकल भिजवा दो, जिसे मेरे द्वारा भिजवाया गया। मैं उसके द्वारा कहे गए और कार्य करती रही, लेकिन मुझको किसी प्रकार की नियुक्ति होने की सम्भावना नही लग रही थीं। मुझको लग रहा था कि हमारे साथ धोखा हुआ है, मैने बारंबार रामेश्वर चौहान आ0 कतलु चौहान से रकम वापस किए जाने के लिए कहा, लेकिन नहीं लौटाई है, जिस हेतु इस आवेदन की आवश्यकता हुई।

अपने आवेदन के साथ इस सम्बंध में उनके द्वारा शपथ-पत्र भी प्रस्तुत किया गया है और कहा है कि मेरे द्वारा प्रस्तुत शपथ-पत्र समक्ष नोटरी, जारी किया गया है, जिसे इस आवेदन का अंग माना जावे।

:: सामाजिक न्याय संघ ने प्रकरण की गंभीरता के सापेक्ष में तत्काल कार्यवाही करते हुए प्रकरण को तत्काल प्रभाव से निम्न को प्रेषित किया ::
1/ श्रीमान् राज्यपाल महोदय, राजभवन, 2/ श्रीमान् मुख्यमंत्री महोदय, 3/ पुलिस महानिदेशक, 4/ पुलिस महानिरीक्षक, 5/ एस0पी0, रायगढ़, 6/ श्रीमान् एस0पी0, बलौदाबाज़ार, 7/ थाना प्रभारी, थाना कोसीर, 8/ थाना प्रभारी, थाना भटगॉव, जिला बलौदाबाज़ार, छ0ग0।
जिसपर संघ के द्वारा तत्काल कार्यवाही किए जाने की आशा व्यक्त की गई है।

रायपुरः छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री

डॉ रमन सिंह ने रिश्वतखोरों को चेतावनी देते हुए कहा कि वे घूस लेने से बाज आएं, अन्यथा कड़ी कानूनी कार्रवाई करते हुए उन्हें ठीक कर दिया जाएगा, किसी भी घूसखोर को बख्शा नहीं जाएगा।डॉ सिंह ने महासमुंद जिले के तेंदूकोना ;विकासखंड बागबाहरा में आयोजित सभा में शनिवार को यह बात कही, उन्होंने कहा सरकारी योजनाएं आम जनता के लिए हैं, लोग किसी भी शासकीय योजना का लाभ उठाने के लिए किसी को भी एक रुपये भी रिश्वत न दें, पात्रता रखने वाले हर आवेदक को योजनाओं का लाभ मिलेगा। रमन ने कहा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत वर्ष 2022 तक पूरे देश में सभी आवास विहीन परिवारों को मकान दिलाने का लक्ष्य है, इस योजना के लिए लोग ऑनलाइन भी आवेदन कर सकते हैं, साथ ही अगर कोई योजना का लाभ दिलाने के लिए रिश्वत मांगें तो उसकी शिकायत भी टोल फ्री नंबर पर की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा रिश्वत मांगने वालों के खिलाफ लोग बेझिझक अपनी शिकायत आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो, ईओडब्ल्यू, में भी दर्ज करवा सकते हैं, मुख्यमंत्री ने तीन अप्रैल से शुरू हो रहे लगभग डेढ़ महीने के प्रदेशव्यापी लोक सुराज अभियान में सभी लोगों से सक्रिय सहयोग की अपील की, डॉ सिंह ने कहा कि इस अभियान में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का उचित निराकरण किया जाएगा।

ऑन लाईन ट्रेकिंग करेगी छत्तीसगढ़ सरकार

रायपुरः डिजिटल इंडिया को आगे बढ़ाते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने कामकाज को दुरुस्त करने के मकसद को पूरा करने के लिए निचले स्तर से सभी को डिजिटल करने का फैसला किया है। इसके तहत सरकार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को स्मार्ट फोन से लैस करने जा रही है, ताकि बच्चों को पोषण वितरण और उनकी सेहत के प्रति ज्यादा सजग हुआ जा सके, इसके लिए महिलाओं को ट्रेनिंग भी दी जा रही है। इस परियोजना के प्रथम चरण में राज्य के सात जिलों. रायपुर, गरियाबंद महासमुंदए दुर्गए बेमेतरा, बालोद एवं कबीरधाम, कवर्धा की 8 हजार 500 कार्यकर्ताओं को स्मार्टफोन दिए जा रहे हैं, उन्हें इसके उपयोग के लिए प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है, महिला और बाल विकास मंत्री रमशीला साहू ने इस तरह के एक प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ भी किया। प्रथम चरण में रायपुर1 एवं रायपुर.2 एकीकृत बाल विकास परियोजना के क्रमश 116 और 200 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को स्मार्टफोन दिया जाएगा, महिला तथा बाल विकास मंत्री ने बताया कि स्मार्ट फोन के उपयोग से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के समय की बचत होगी, बच्चों को सुपोषित बनाने तथा खेल खेल में शिक्षा देने के दायित्वों का पालन आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बहनें सजगता से कर रही हैं, साहू ने कहा कि पहले सब कुछ रजिस्टर में नोट करना होता था, अब मोबाइल एप की सहायता से काम में तेजी आएगी। बता दें कि एकीकृत बाल विकास आईसीडीएस योजना भारत सरकार द्वारा विश्व बैंक सहायित परियोजना आईसीडीएस के अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को मोबाइल तथा पर्यवेक्षकों को टेबलेट दिए जाएंगे, जिसके द्वारा कुपोषित बच्चों तथा गर्भवती माताओं का ऑनलाइन ट्रेकिंग की जाएगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संसदीय सचिव रूपकुमारी चौधरी ने कहा कि शुरुआत में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बहनों को जरूर लगेगा कि स्मार्टफोन का उपयोग कैसे कर पाएंगी, लेकिन धीरे धीरे वे इसमें एक्सपर्ट हो जाएंगी, इससे विभाग के कार्य में तेजी आएगी।

दो साल की बच्ची को 90 लाख का मुआवज़ा

रायपुर। सड़क हादसे में पिता की मौत पर क्षतिपूर्ति की मांग को लेकर दो साल की बच्ची के परिवाद पर राष्ट्रीय लोक अदालत ने छत्तीसगढ में ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। पीठासीन अधिकारी एवं जिला सत्र न्यायाधीश नीलम चंद सांखला ने पूरा केस सुना और फिर आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने 90 लाख रुपए मुआवजा दिया। कंपनी ने बच्ची के नाम पर 82 लाख रुपए और उसके पालन पोषण के लिए दादा दादी को 8 लाख रुपए दिया। किसी बीमा कंपनी द्वारा इतनी बढी राशि देने का राज्य में यह पहला मामला है। न्यायालयीन सूत्रों ने बताया कि देवेंद्र नगर निवासी बिजली विभाग के सहायक यंत्री प्रमोद कुमार गेंड्रे की 28 अक्टूबर 2015 को मोटर दुर्घटना में मौत हो गई थी। उन्हें टक्कर मारने वाली बाइक आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी से बीमित थी। प्रमोद की पत्नी की मौत छह महीने पहले ही डिलीवरी के दौरान हो गई थी। इस दंपती की इकलौती संतान छह माह की कुमारी ज्योत्सना की ओर से दादा सुखीराम गेंड्रे और दादी मंगलीन गेंड्रे ने अधिवक्ता एसके शर्मा के माध्यम से कोर्ट में क्षतिपूर्ति राशि 1 करोड़ 90 लाख 66 हजार की मांग को लेकर परिवाद दायर किया था। बच्ची के दादा दादी अभी रिसाली भिलाई में रहते हैं। शनिवार को जिला कोर्ट में आयोजित नेशनल अदालत में इस परिवाद पर पीठासीन अधिकारी ने सुनवाई की। बीमा कंपनी ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए मुआवजा 90 लाख रुपए देने पर सहमति जताई। कोर्ट ने बच्ची ज्योत्सना के नाम से 82 लाख रुपए उसके बालिग होने तक सावधि जमा योजना के तहत बैंक में जमा करने कहा है। साथ ही उसके दादा दादी को मिलने वाले 8 लाख रुपए में से 6 लाख को एक दो तथा तीन साल के लिए सावधि जमा योजना में जमा करने तथा शेष दो लाख रुपए नकद देने का आदेश दिया। परिवाद के वक्त बच्ची छह माह की थी और शनिवार को फैसले के वक्त वह दो साल की हो चुकी थी।

क्या बात है ..... वाह घर पर ही बना डाला हवाईजहाज

मुंबईः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया का सपने को साकार करने में मुंबई का एक पायलट अहम रोल निभाएगा, अपनी बिल्डिंग की छत पर ही 6 सीटर हवाई जहाज बनाकर इस शख्स ने अद्भुत प्रतिभा दिखाई, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंन्द्र फडणवीस ने खुद ट्वीट कर साझेदारी में विमान उत्पादन की योजना का ऐलान किया, देश में हवाई जहाज निर्माण का सपना देख रहे कैप्टन अमोल शिवाजी यादव ने एनडीटीवी को बताया कि मुंबई के पास पालघर में जमीन का चयन कर लिया गया हैण् मुख्यमंत्री देवेंन्द्र फडणवीस ने एमआईडीसी को आदेश दिया है कि वह साझेदारी में विमान निर्माण के लिए पालघर में जमीन देने की प्रक्रिया शुरू करें। जेट एयरवेज में कैप्टन अमोल यादव ने अपनी ही कोशिश से एक 6 सीटर हवाई जहाज बनाया है जो मेक इन इंडिया का नायाब नमूना है। खास बात है कि अमोल के पास कोई ऐरोनॉटिक इंजीनियरिंग की डिग्री नहीं है वह पायलट हैं, लेकिन बताते हैं कि बचपन से उनके मन मे जहाज बनाने का सपना था, साल 1995 में अमेरिका में अपने एक दोस्त के साथ उन्होंने एक छोटा जहाज खरीदा और उसकी देखरेख के जरिये बनावट और बारीकियां समझी और फिर सपना सच करने भारत वापस आ गए। हैरानी की बात है कि भारत में भारत के पहले हवाई जहाज का सपना कैप्टन अमोल यादव ने अपनी बिल्डिंग की छत पर साकार कियाण् पहले 2 बार असफल कोशिश के बाद साल 2008 में फिर से कोशिश की और 8 साल बाद हवाई जहाज उड़ान भरने के लिए तैयार है, हालांकि इसके लिए उनकी मां के सारे गहने, पिता और परिवार की सारी जमा पूंजी लग गई, तकरीबन 4 करोड़ रुपये की लागत से तैयार 6 सीटर हवाई जहाज अब सरकार की मदद से धुलिया एयरपोर्ट पर रखा गया। कैप्टन अमोल यादव का दावा है कि 70 साल पहले अंग्रजों के जमाने मे तकरीबन सभी जिलों में हवाई पट्टी थी, लेकिन आजादी के बाद उनका इस्तेमाल नहीं हो पाया, इसकी बड़ी वजह रही छोटे विमानों की कमी, अब हम 19 सीटर जहाज बनाकर रीजनल कनेक्टिविटी को फिर से शुरू कर सकते हैं। कैप्टन अमोल यादव ने यह भी दावा किया है कि देश में ही विमान उत्पादन से बड़े पैमाने पर रुपयों की बचत होगी और युवकों को रोजगार भी उपलब्ध होगा, अमोल यादव के मुताबिक इंडोनेशिया में इसी तरह के प्रोजेक्ट की लागत 700 से 800 करोड़ रुपये आई है जबकि हम 200 करोड़ में न सिर्फ पूरा प्रोजेक्ट खड़ा कर रहे हैं बल्कि 19 सीट वाले 4 हवाई जहाज भी बनाकर दे रहे हैं, अमोल का कहना है कि दुनिया में ऐसा कुछ भी नहीं जो हम भारतीय नहीं कर सकते, बस जरूरत है सरकार का साथ मिलने की, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मेक इन इंडिया नीति और महाराष्ट्र सरकार का साथ मिलने से अब उनके सपने को पंख मिल गया है, जल्द ही 19 सीटर हवाई जहाजों का निर्माण कर घरेलू उड़ान व्यवसाय को नई गति देंगे।

कोलकाताः अभिनेता.निर्देशक अमोल पालेकर का कहना है कि हर व्यक्ति को इस बात का अधिकार है कि वह किसी बात से अपनी असहमति जता सके। पालेकर ने इस बात पर ताज्जुब

जताया कि असहिष्णुता के खिलाफपुरस्कार लौटाने वालों के खिलाफ इतनी हायतौबा क्यों मचाई गई। पालेकर ने गुरुवार को कहा अगर एक कलाकार को लगता है कि वह अपना पुरस्कार लौटा कर विरोध जता सकता है तो इसमें इतना उत्तेजित होने और परेशान होने वाली कौन सी बात है,अगर मुझे लगता है कि मैं इस तरह से या किसी और तरह से अपना विरोध जता सकता हूं तो इसका सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा मैंने किसी की भी आवाज दबाने की हमेशा निंदा की है। अगर किसी नाटक को प्रतिबंधित किया जाता है, कोई फिल्म रोकी जाती है तो मैंने हमेशा इसकी निंदा की है। मैं उस फिल्म को पसंद करता हूं या नहीं, यह बिलकुल अलग मुद्दा है। मैं किसी विचार से सहमत हूं या नहीं, यह बिलकुल अलग मुद्दा है। जहां तक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बात है तो हर व्यक्ति को यह स्वंतत्रता मिलनी चाहिए। पालेकर यहां विख्यात कवि अशोक वाजपेयी के साथ कोलकाता साहित्य समारोह का उद्घाटन करने आए थे। असहिष्णुता का विरोध करने वालों को राष्ट्र विरोधी तक कहे जाने पर पालेकर ने कहा, सिर्फ इसलिए कि मैं आपसे सहमत नहीं हूं, मुझे यह अधिकार नहीं मिल जाता कि आपको चुप करा दूं। मुझे कोई हक नहीं है कि मैं कहूं कि आप गलत हैं या फिर ये है, वो हैं। अपनी अभिनय क्षमता के लिए काफी सम्मान पाने वाले पालेकर ने कहा, अगर मैं अपनी असहमति जताता हूं तो क्या मैं इससे तुरंत राष्ट्र विरोधी हो जाता हूं, अगर मैंने ऐसा पूर्ववर्ती सरकार के साथ किया थाए तो मुझे मौजूदा सरकार के सामने भी खुद को अभिव्यक्त करने का हक है।

पालेकर ने कहा सेंसरशिप के मामले में मैं महाराष्ट्र की सभी सरकारों से लड़ चुका हूं, चाहे वह कांग्रेस की रही हो, शिवसेना की रही हो या किसी और की। इसलिए मेरा मानना है कि लोगों के पास विरोध का अधिकार होना चाहिए असहमति जताने का अधिकार होना चाहिए और इसका हर हाल में सम्मान किया जाना चाहिए।

सामाजिक न्याय संघ को दिया आवेदन कहा मेरी जमीन वापस कराई जावे

न्यायसाक्षी रायगढ़। शासन से मान्यता प्राप्त संस्था सोशल जस्टिस् यूनियन के समक्ष प्रस्तुत होकर दिए अपने लिखित आवेदन में बोधन राम साहू आ0 श्री वंशीधर, उम्र 70 वर्ष लगभग, जाति तेली, गैर-आदिवासी, निवासी ग्राम डुमरपाली, तहसील एवं जिला रायगढ़, छ0ग0 ने कहा कि मेरे साथ मनबोध पटेल आ0 सुदर्शन पटेल जाति अघरिया निवासी कोसमपाली ने धोखाघड़ी की है, जिसके सम्बंध में मेरे द्वारा यह बयान शपथ पर दिया जा रहा है।

अपने आवेदन में कहा कि उक्त मनबोध पटेल आ0 सुदर्शन पटेल से मैने घर-खर्च के लिए 11000/- रु0 लिया था। जिस हेतु उसके द्वारा मुझसे कतिपय दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराए गए थें, मैं गॉव को कम पढा-लिखा व्यक्ति था, और उक्त व्यक्ति तत्समय ग्राम का पटवारी हुआ करता था, जिसपर मैने विश्वास किया और बताए गए कागज़ात पर हस्ताक्षर कर दिए। उन्होने कहा कि मेरे द्वारा अपनी जमीन को रेहने रखने के एवज में प्राप्त किए गए 11000/- रु0 को उक्त व्यक्ति को वापस कर दिया गया था। जिसके बाद से मैं निश्चिंत हो गया था कि मेरा कर्जा चुक गया है।

लेकिन बाद में मुझे पता चला कि उक्त व्यक्ति मनबोध पटेल आ0 सुदर्शन पटेल ने धोखे से मुझ से उन दस्तावेजो पर हस्ताक्षर कराए थें, जिनसे कि मेरी जमीन उसने अपने नाम कर ली है, जिससे मैं बेहद आहत हुआ और मेरे द्वारा उक्त सम्बंध में जब उससे बात की गई कि, मैंने आपकी रकम मय ब्याज लौटा दिया है, फिर आपने मेरे साथ धोखा क्यों किया, तो उसने कहा कि प्रमाणीकरण तो नहीं हुआ है, आप क्यों परेशान होते हैं। इसके बाद मैंने नामान्तरण/प्रमाणीकरण पर आपत्ति दर्ज कराई है, जो कि माननीय न्यायालय में लंबित है। जिस पर मैं सामाजिक न्याय संघ से विधिक सहायता एवं न्याय दिलाने की अपेक्षा करता हूँ। मैं अपने विरुद्ध की गई धोखा-धड़ी की लिखित में आपके समक्ष सामाजिक न्याय संघ में शिकायत करता हूँ कि न्यायोचित कार्यवाही कराई जावे ताकि न्याय प्राप्ति हो सके।

:: सामाजिक न्याय संघ ने प्रकरण की गंभीरता के सापेक्ष में तत्काल कार्यवाही करते हुए प्रकरण को तत्काल प्रभाव से निम्न को प्रेषित किया :
1/ श्रीमान् राज्यपाल महोदय, राजभवन, 2/ श्रीमान् मुख्यमंत्री महोदय, 3/ कलेक्टर, जिला कलेक्ट्रेट, रायगढ़, 4/ पुलिस महानिदेशक, 5/ श्रीमान् पुलिस महानिरीक्षक, बिलासपुर रेंज,, जिला बिलासपुर, छ0ग0। 6/ श्रीमान् एस0पी0 महोदय, रायगढ़, एवं सम्बंधित थाना प्रभारी को प्रकरण भेजा है, जिसमें छल एवं जालसाजी करके जमीन हथियाने के सम्बंध में साक्ष्य के आधार पर संज्ञान लिए जाने की आशा व्यक्त की गई है।

दफनाए जाने के बाद भी जिंदा निकला ये शख्स

प्रतीकात्मक फोटो

रायपुरः अगर आपसे कहूं कि कोई शख्स कब्र में दफनाने के बाद जिंदा बच गया तो शायद आप नहीं मानेंगे, लेकिन छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक ऐसा ही चौंकाने वाला मामला सामने आया है, यहां एक कब्र के अंदर से जिंदा इंसान के बाहर निकलने का मामला सामने आया है, इस घटना के बारे में इलाके में जिसे भी पता चल रहा है वह हैरान है, हैरत की बात यह है कि शख्स पूरी तरह स्वस्थ्य है, डॉक्टरों ने उसके जीवित होने की पुष्टि कर दी है। बताया जा रहा है कि बगीचा थाना क्षेत्र के ग्राम बम्बा भंडारपारा में रहने वाले प्लाजूस मिंज की बहन के साथ विवेक का रिश्ता तय हुआ था, पिछले सप्ताह मंगलवार शाम को विवेक अपने दूसरे दोस्त के साथ प्लाजूस मिंज के घर पहुंचा, वहां उसने कहा कि उसे अपने दोस्त को कुछ दूर छोड़कर आना है, यह कहते हुए उसने प्लाजूस को भी साथ में ले लिया। इसके बाद गांव के ही एक परिचित के ऑटो में सवार होकर तीनों भेड़िया के जंगल की ओर चले गए, जंगल पहुंचकर विवेक और उसके साथी ने प्लाजूस की बेरहमी से पिटाई शुरू कर दी, प्लाजूस जब अधमरा हो गया तो उन्होंने उसे गड्ढे में दफना दिया, बुधवार को गांव वालों ने जमीन के अंदर से हलचल होते देखा, पहले तो वे घबरा गए, लेकिन कुछ लोगों ने हिम्मत कर मिट्टी को हटाया तो उसके नीचे से प्लाजूस जिंदा निकला, गांव वाले उसे तुरंत अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मामूली उपचार के बाद उसे पूरी तरह स्वस्थ्य घोषित कर दिया, उसने पुलिस के सामने आपने बयान भी दर्ज करा दिया है, प्लाजूस के बयान के मुताबिक उसका अपने रिश्तेदारों से पुरानी रंजिश थी।

छत्तीसगढ़, युवाओं ने खोद निकाली सैकड़ो साल पुरानी बावली

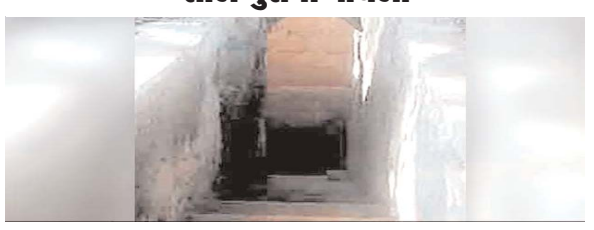

रायपुरः पुरातात्विक दृष्टिकोण से छत्तीसगढ़ बेहद अहम रहा है, यहां आमतौर पर हर जिले में हजारों साल पुराने इतिहास पुरातात्विक खुदाई में मिलते रहते हैं, राजिम में सिंधु घाटी की सभ्यता के समान ही लगभग साढ़े तीन हजार साल पहले की सभ्यता का पता लगा है, वहीं सिरपुर में भी ढाई हजार साल पहले के इतिहास सामने आए हैं, अभी हाल ही में कवर्धा जिले के बम्हनी गांव में युवाओं की टोली ने कमाल करते हुए पत्थरों और कचरों से पट चुकी सैकड़ों साल पुरानी बावली जिसे कुंआ भी कह सकते हैं, को खुदाई कर निकालने में सफलता पाई है, ये बावली गांव के प्राचीन तालाब से लगी हुई है, ग्रामीणों का मानना है कि ये बावली करीब सवा सौ साल पुरानी होगी। पुरातत्व विभाग के संचालक आशुतोष मिश्रा ने सप्ताहभर के भीतर टीम भेजकर बावली के इतिहास खंगालने की बात कही है। गांव के सरपंच कमलेश कौशिक ने बताया कि युवाओं की टोली ने एक महीने पहले ही आठ जनवरी को बावली खोदना शुरू कर दिया था, नौ फरवरी तक खोदने के बाद इस बावली में पानी निकल आया, ग्रामीणों का मानना है कि बम्हनी में पहले कबीरपंथ के गुरु कंवल दास भी रहा करते थे, यहां माता साहेब की समाधि भी है, ग्रामीणों का कहना है कि बावली का इस्तेमाल स्नान या दूसरे प्रयोजन लिए होता रहा होगा, ग्रामीणों के अनुसार, बावली में एक के बाद एक कुल 21 सीढ़ियां मिली है। 35 फीट खोदने के बाद पानी निकला बताया जा रहा है कि खुदाई में घोड़े के अवशेष, कांसे की थाली, शिवलिंग व नंदी की मूतियों के साथ अन्य मूर्तियां भी मिली हैं। पुरातत्वविद् आदित्य श्रीवास्तव का कहना है कि यह बावली लगभग सवा सौ साल पुरानी प्रतीत होती है। ग्रामीणों से बातचीत में कबीरपंथ के धर्मगुरुओं द्वारा बावली खुदवाने की बात सामने आई है।

शिक्षा के लिए शिक्षक ने पेश की मिसाल

रायपुरः बच्चों की पढ़ाई में लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों और अभिभावकों के सामने छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले की बेटी ने मिसाल पेश की है, मुफ्त में बच्चों को पढ़ाने वाली पायल शर्मा केवल इसलिए शादी के अगले दिन ससुराल से लौट आई, क्योंकि उसे बच्चों की परीक्षा की तैयारी करनी थी, अच्छी बात यह है कि पायल के इस फैसले में उसके ससुराल वाले साथ खड़े हैं, पायल और उसके ससुराल वालों की इस सोच की पूरे इलाके में चर्चा हो रही है। बिना पैसे लिए बच्चों को पढ़ाती है पायल दुर्ग जिले के पुलगांव की रहने वाली पायल को बचपन से ही बच्चों को पढ़ाने का शौक था, उसके पिता विनोद ने बताया कि 12वीं करने के बाद ही पायल ने गांव के बच्चों और महिलाओं को घर पर पढ़ाना शुरू कर दिया था, वह इसके एवज में उनसे कोई पैसे नहीं लेती है, उसी दौरान पायल को पता चला कि गांव के स्कूल में गणित और कॉमर्स के शिक्षक नहीं हैं, पायल ने वहां की प्रिंसिपल ज्योत्सना चंद्रवंशी से बात की तो उन्होंने उसे पढ़ाने की इजाजत दे दी। 2010 से पायल बिना कोई पैसे लिए इस स्कूल के बच्चों को गणित और कॉमर्स पढ़ा रही हैं, वह 9वीं से 12वीं तक के बच्चों को पढ़ाती हैं, पिता विनोद ने बताया कि हाल ही में स्कूल प्रशासन ने पायल को पढ़ाने से मना कर दिया था, छात्र छात्राओं की मांग पर वर्तमान प्रिंसिपल पुष्पा रानी ठाकुर को झुकना पड़ा और पायल स्कूल से जुड़ी रहीं। हल्दी चढ़ने के बाद भी जाती रही स्कूल घर में जब पायल की शादी की तैयारी चल रही थी तो वह रस्मों से ज्यादा बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान देती रहीं, रस्म के मुताबिक लड़की को शादी की हल्दी लग जाने के बाद वह घर से बाहर नहीं निकलती हैं, पायल ने इन बातों को दरकिनार कर स्कूल जाकर बच्चों को पढ़ाना जारी रखा। पांच फरवरी को शादी होने के बाद पायल को ससुराल में रस्में निभानी थी, पायल ने ससुराल वालों को बताया कि राज्य में 9वीं और 11वीं की वार्षिक परीक्षाएं शुरू होने वाली है, 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं तो पिछले सप्ताह से ही शुरू हैं, ऐसे में वह अपने स्कूल के बच्चों की परीक्षा की तैयारी बीच में नहीं छोड़ सकती, सुसर हरीशचंद्र को बहू पायल की ये बात काफी अच्छी लगी, उन्होंने तुरंत उसे मायके लौटने की इजाजत दे दी। हरीशचंद्र कहते हैं कि उन्हें अपनी बहू पर गर्व है, वे कहते हैं कि समाज में शिक्षा की अलख जगाने के लिए उनकी बहू की तरह के शिक्षकों की जरूरत है।

फोर्स को देखकर हथियार छाड़ भागे नक्सली

दतवाड़ा। सुकमा जिल के बाडर म अरनपुर थाना क्षेत्र क छाटहड़मा जगल म फास का दखकर नक्सला हाथयार छाड़ कर भाग। माक स एसटीएफ की टीम ने 12 नग 12 बोर बंदूक, एक ड्रिल मशीन सहित पिट्ठू और अन्य सामग्रियां बरामद की है। वहीं एक महिला सहित तीन संदिग्धों को गिरफ्तारी भी की गई है। यह कार्रवाई एसटीएफ टीम की है। दंतेवाड़ा, सुकमा बार्डर में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर एसटीएफ की टीम अरनपुर थाना क्षेत्र के जंगल में बीती रात निकली थी। बताया जा रहा है टीम देर शाम अरनपुर पहुंचेगी। समाचार लिखे जाने तक फोर्स जंगल में थी। बताया जा रहा है कि सर्चिंग के दौरान फोर्स ने जंगल से एक महिला सहित दो अन्य लोगों को संदेह के आधार पर हिरासत में लिया है। माना जा रहा है पूछताछ में उनसे महत्वपूर्ण जानकारियों मिलेंगे। जगदलपुर से पहुंची फोर्स पुलिस सूत्रों के अनुसार आपरेशन में जगदलपुर से एसटीएफ की टीम जंगल में पहुंची है। यह टीम स्थानीय जवानों के साथ चार अलग अलग टुकड़ियों में बंटकर एरिया का घेराबंदी किया है। बताया जा रहा है इस इलाके में नक्सलियों के मलांगिर एरिया कमेटी सक्रिय है। यहां अभी नक्सलियों के बड़े नेताओं की मौजूदगी है और बड़ी सफलता मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। सूत्रों का कहना है कि बरामद सामग्रियों की मात्रा अधिक होने से कुछ सामान को मौके पर ही जला दिया गया। वहीं हथियार, ड्रिल मशीन आदि महत्वपूर्ण सामग्रियों को सीधे जगदलपुर ले जाया जाएगा।

जाएन बघेल, ए एस पा
नक्सल आपरेशन
अरनपुर थाना क्षेत्र में एसटीएफ और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। मौके से 12 बोर बंदूक, ड्रिल मशीन आदि बरामद हुए है। फोर्स अभी जंगल में है। इसलिए विस्तृत जानकारी नहीं मिल पा रही है।